

ग्रसाधा र ण

EXTRAORDINARY

भाग II--- खण्ड 3--- उपलण्ड (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 326] नई बिल्ली, शनिवार, जुलाई 27, 1974/आवण 5, 1896

No. 325] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 27, 1974/SRAVANA 5, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture)

ORDER

New Delhi, the 27th July 1974

S.O. 457(E).—Whereas the Central Government is of opinion that it is necessary so to do for maintaining and increasing supplies of milk and for securing its equitable distribution in the areas comprising the Union Territory of Delhi and the Districts of Meerut, and Bulandshahr in the State of Ultar Pradesh.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955) and in supersession of the Order of the Government of India. in the Ministry of Agriculture No 226(E) dated the 30th March, 1974, the Central Government hereby makes the following Order, namely:—

- 1. Short title, extent and commencement.—(1) This Order may be called the Delhi, Meerut and Bulundshahr Milk and Milk Products (Export) Control Order, 1974.
- (2) It extends to the areas comprising the Union territory of Delhi and the Districts of Mecrut and Bulandshahr in the State of Uttar Pradesh.

- (3) It shall cease to operate on the 1st day of October, 1974 except as respects things done or omitted to be done before such cesser of operation.
 - 2. Definitions.—In this Order, unless the context otherwise requires,
 - (a) "controlling officer" means any officer appointed as such by the Government of Uttar Pradesh in respect of the Districts of Meerut and Bulandshahr and by the Delhi Administration in respect of the Union territory of Delhi, to exercise the powers and perform the duties of a controlling officer under this Order;
 - (b) "export" means to take or cause to be taken, by any means whatsoever, out of any place within the areas to which this order extends to any place outside those areas;
 - (c) "milk" means the normal, clean and fresh secretion obtained by milking of the udder of a cow, buffalo, goat or sheep and includes milk with or without fat, butter milk, standardised milk, toned milk, double toned milk or milk prepared from milk powder, but does not include the article commonly known as dried milk or milk powder or condensed milk.
 - 3. Prohibition of export of milk and milk products.—No person shall—
 - (a) export milk or milk products of any kind except sour butter milk or
 - (b) export or cause to be exported, cream, case in (excepting case in manufactured from sour milk for industrial purposes) skimmed milk, khoa, rubree, pancer or any kind of sweets in the preparation of which milk or any of its products (including dried milk or milk powder or condensed milk) except ghee, is an ingredient:

Provided that nothing in this clause shall apply to the export of milk or milk products of any kind by a person engaged in the manufacture of infant milk food—whose undertaking has been registered or licensed under the—

- (i) Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), and
- (ii) who has been exporting milk of any kind for the purpose of the manufacture of inlant milk food immediately preceding the commencement of this Order, it he has obtained a permit to that effect from the controlling officer.
- 4. Power of entry search, seizure etc.—(1) Any Stipendary Magistrate or any police officer, not below the rank of a head constable may with a view to securing compliance with this Order or to satisfying himself that this Order is being complied with:—
 - (a) stop and search any person or any boat, motor or other vehicle or any receptacle or machinery used or intended to be used for export of milk or milk products;
 - (b) seize or authorise to seizure of any milk or milk products in any place or premises together with packages coverings receptacles or machinery in which milk or milk products are found or the animals, vehicles vessels, boats or other conveyances used in carrying milk or milk products for export and thereafter take all measures necessary for securing the production of the packages, coverings, receptacles, machinery so scized in a court and for their safe custody pending such production.
- (2) The provisions of section 100 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), relating to search and seizure shall, so far as may be, apply to searches and seizures under this clause.

[No. 6-6/74-LD.I] I. J. NAIDU, Addl. Secy.

कृषि मंत्रालय

(कृषि विभाग)

ग्रादेश

नई दिल्ली, 27 जुलाई, 1974

कार धार 457 (धा).—यतः केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि दूध के प्रदायों को बनाए रखने भ्रौर बढ़ाने भ्रौर दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र भ्रौर उत्तर प्रदेश राज्य के मेरठ भ्रौर बुलन्दशहर जिलों के क्षेत्रों में उसका साम्यापूर्ण वितरण सुनिश्चित करने के लिए ऐसा करना आवश्यक है।

अतः स्रव स्रावश्यक वस्तु स्रधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार के कृषि मंत्रालय के तारीख 30 मार्च, 1974 के आदेश संख्या 226 (ई) का अधिक्रमण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित स्रादेश करती है, स्रथित :—

- 1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारम्भ.-(1) यह श्रादेण दिल्ली, भेरठ ग्रौर बुलन्दशहर दूध
 श्रौर दुख उत्पाद नियंत्रण ग्रादेश, 1974 कहा जा सकेगा ।
- (2) इसका विस्तार दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र ग्रौर उत्तर प्रदेश राज्य के मेरठ ग्रौर बुलन्दशहर जिलों के क्षेत्रों पर है।
- (3) यह 1-10-74 से लागू नहीं रहेगा और उन बातों के सिवाय जो ऐसे प्रवर्तन की समाप्ति से पूर्व की गई या की जाने से रह गई है।
 - 2. परिभाषा.--इस श्रादेश में, जब तक कि संदर्भ से, अन्यथा उपेक्षित न हो :---
 - (क) ''नियन्त्रक श्रधिकारी'' से वह श्रधिकारी श्रभिप्रेत है, जिससे मेरठ श्रौर बुलन्दणहर जिलों के सम्बन्ध में उत्तर प्रदेश राज्य सरकार ने श्रौर दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र के सम्बन्ध में दिल्ली प्रशासन ने इस आदेश के श्रधीन नियंत्रण श्रधिकारी को शक्तियों का प्रयोग श्रौर कर्त्तब्यों का पालन करने के लिए इस हैसियत में नियुक्त किया है ।
 - (ख) "निर्यात" से ऐसे क्षेत्रों के बाहर, जिन पर इस भ्रादेश का विस्तार है, भीतर के किसी क्षेत्र से उन क्षेत्रों के बाहर के किसी क्षेत्र को, किसी भी साधन से, ले जाना या लिया जाना श्रभित्रेत है।
 - (ग) "दूध" मे श्रभित्रेत है गाय, भैस, बकरी या भेड़ के थनों से प्राप्त प्रसामान्य, स्वच्छ श्रीर नाजा स्नाव श्रीर इसके श्रन्तर्गत बसा सहित या रहित दूध, मट्ठा मानक्ति दूध, टोंड दूध, डबल टोंड दूध या दुग्ध चूर्ण से बना दूध श्राता है किन्तु इसके श्रन्तर्गत वह बस्तु नहीं है जिसे सामान्यतया सुखाया हुश्रा दूध या दुग्ध चूर्ण या संघनित दूध कहते हैं।
- 3. दूश श्रीण दुग्य उर तवं के निर्यात कः प्रतिशोधः (क) कोई व्यक्ति खट्टे दूध के सिवाय दूध या दुग्ध उत्पाद निर्यात नहीं करेगा।

- (ख) कोई व्यक्ति कीम, कैसीन (उस कैसीन को छोड़ कर जो खट्टे दूध से श्रौद्योगिक प्रयोजनों के लिए तैयार किया हो) कीम निकले दूध, खोया, रजड़ी, पनीर या दुग्ध या दुग्ध (सूखे दूध या दुग्ध चूर्ण या संघनित दूध) के पदार्थों से बनी किसी भी प्रकार की ऐसी मिटाइयों का प्रयोग नहीं करेगा।
- (ग) इस धारा की कोई भी बात किसी ऐसे व्यक्ति पर लागू नहीं होगी जो शिशु दुग्ध स्नाहार के विनिर्माण में लगा हुस्रा है स्नीर जिसका उपक्रम---
 - (i) उद्योग (विकास तथा नियमन) श्रिधिनियम 1951 (1951 का 65) के श्रधीन रजिस्टर या श्रनुक्रप्ति किया हुग्रा है तथा
 - (ii) शिशु श्राहार के विनिर्माण के प्रयोग के लिए इस ग्रादेण के श्रारम्भ होने से तुरन्त पूर्व किसी प्रकार के दूध को निर्यात करता रहा है ग्रीर यदि उस ने नियंत्रक ग्रिधकारी से उस ग्राशय की श्रनुज्ञप्ति प्राप्त कर ली है।
- 4. "प्रवेश, तलांशी, भ्रभिष्रहण श्राधि की शिक्तयां .--(1) कोई भी वैतानिक मिजिस्ट्रेट श्रयवा कोई भी पुलिस श्रधिकारी, जो हेड कांस्टेबल से नीचे के दर्जे का न हो इस श्रादेश के अनुपालन को सुनिश्चित करने की दृष्टि से या श्रपना यह समाधान करने की दृष्टि से कि श्रादेश का अनुपालन किया जा रहा है।
 - (क) किसी भी व्यक्ति को या किसी नाव, मोटर या श्रन्य गाड़ी या किसी पात्र या मणीनरी को, जो दूध के निर्यात के लिए या दुग्ध उत्पादनों के विनिर्माण के लिए प्रयोग में लाई गई हो या जिसको प्रयोग में लाना श्राणंकित हो, रोक सकेगा श्रौर उसकी तलागी ले सकेगा।
 - (ख) किसी भी स्थान या परिसर में कोई दूध या दुग्ध पदार्थ, ख्रौर पैकेज, श्रावरण, पात्र या मिशीनरी, जिनसे दूध या दुग्ध पदार्थ पाए जाते हैं या जिन के साथ ऐसे दुग्ध पदार्थ पाये जाएं या निर्यात के लिए दूध या दुग्ध पदार्थ ले जाने के उपयोग में लाए जाने वाले पशुद्रों, गाड़ियों, जलयानों या नावों का ग्रन्य सवारियों को श्रिभगृहित कर सकेगा या उनका श्रभिग्रहण प्राधिकृत कर सकेगा श्रौर इस प्रकार श्रभिगृहित पैकेजों, श्रवरणों, पात्रों या मशीनरी को किसी त्यायालय में पेश करना श्रौर जब तक वे पेश किये जायें तब तक उनकी सुरक्षित श्रभिरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एतद्-द्वारा तत्पश्चात सभी श्रावश्यक उपाय करेगा।
- (2) इण्ड प्रक्रिया पंहिता, 1973 (1974 का 2) की तलाशी श्रीर श्रभिग्रहण सम्बन्धी धाराश्रों 100 के उपबन्ध इम खण्ड के श्रधीन तलाशी श्रीर श्रभिग्रहणों को यास्तणक्य लागू होंगे।

[सं० 6-6/74—एल० डी०] श्राइ० जे० नायडू, श्रपर सचिव ।